RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 169
दि. 18.10.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 • Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com • Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com • Website : www.navsarjansanskruti.com

गुजरात कैबिनेट फेरबदल: भूपेंद्र सरकार में 19 नए चेहरे शामिल; संघवी बने डिप्टी सीएम, जडेजा की पत्नी की नई पारी

अहमदाबाद

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली गुजरात सरकार की कैबिनेट में शुक्रवार को बड़ा फेरबदल हुआ। गुजरात में 19 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही नई कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या 26 हो गई है।

गुजरात सरकार ने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने मंत्रिपरिषद में 19 नए चेहरों को शामिल किया है। नवगठित मंत्रिमंडल में पिछली टीम के छह सदस्यों को बरकरार रखा, जिनमें हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इस फेरबदल के साथ मंत्रिपरिषद में अब मुख्यमंत्री सहित कुल सदस्यों की संख्या 17 से बढ़कर 26 हो गई है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में अधिकतम 27 मंत्री (सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत) हो सकते हैं।

यह कैबिनेट पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले किया गया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सभी नए मंत्रियों और कैबिनेट मंत्री या स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कैबिनेट में जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा गया है। नए मंत्रिमंडल में आठ पिछड़ा वर्ग से तीन अनुसूचित जाति से, चार अनुसूचित जनजाति से संबंध रखने वाले विधायकों को मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम भूपेंद्र पटेल समेत आठ मंत्री पटेल समाज से हैं।

पिछली कैबिनेट में गृह राज्य मंत्री रहे हर्ष सांघवी की पदोन्नति हुई है। उन्हें नए मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री बनाकर सरकार में दूसरे नंबर के पायदान पर पहुंचाया गया है। भूपेंद्र पटेल के पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में यह पहली बार है कि राज्य में किसी उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में यह पद नितिन पटेल के पास था, जिसे 2021 में समाप्त कर दिया गया था। नए मंत्री मंडल में सांघवी सहित छह विधायकों को मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि सांघवी, प्रफुल पनशेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल क्रिकेटर पति रवींद्र जडेजा और उनकी बेटी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

हालांकि गुरुवार को 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इनमें से छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए थे।

इन छह में से तीन, कनुभाई पटेल, रुशिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया हर्ष संघवी को पदोन्नत कर उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं पनशेरिया को स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। मंत्रिमंडल में रीवाबा जडेजा को भी शामिल किया गया है। उन्होंने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। उनके

पार्टी ने जीतू वघानी, अर्जुन मोढवाडिया और मनीषा वकील को मंत्री के रूप में काम करने का अवसर दिया है। पोरबंदर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मोढवाडिया ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले वे गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं और मार्च 2024 में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए थे।

अब ऐसा है नया मंत्रिमंडल

19 नए मंत्रियों में से जीतू वघानी, मनीषा वकील, ईश्वरसिंह पटेल और नरेश पटेल राज्य की भाजपा सरकारों में अलग-अलग समय पर मंत्री रह चुके हैं। मंत्रिपरिषद में अब 25 मंत्रियों में से नौ कैबिनेट स्तर के, तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 13 राज्य मंत्री हैं।

मुख्यमंत्री ने इस फेरबदल में 10 मंत्रियों को हटाया है, जिनमें उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, कृषि मंत्री राघवजी पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भानुबेन बाबरिया और वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलु बेरा जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। नई मंत्रिपरिषद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। नए मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं शामिल की गई हैं।

इन विधायकों को मिली मंत्रिपरिषद में जगह

कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और भावनगर से विधायक जीतू वाघाणी, अमरेली से विधायक और भाजपा के डिप्टी चीफ व्हिप कौशिक वेकारिया, स्वरूपजी ठाकोर, टीकाराम छंगा, जयराम गमित, जामनगर उत्तर विधायक रिवाबा जडेजा, पीसी बारांदा, दाहोद विधायक रमेश कटारा, अंकलेशअवर विधायक इश्वरसिहं पटेल, दीसा विधायक प्रवीण माली, बारसोड विधायक रमनभाई सोलंकी, पेटलाद विधायक कमलेश पटेल, महुधा विधायक संजय सिंह महिदा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है।

सौराष्ट्र-कच्छ से सबसे अधिक 9 मंत्री बनाए गए

भूपेंद्र पटेल मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल में सौराष्ट्र-कच्छ से 9 मंत्री बनाए गए हैं। मध्य गुजरात से 6 मंत्री है, उत्तर गुजरात से 5 मंत्री और अहमदाबाद से दर्शना वाघेला मंत्री बनी हैं। दक्षिण गुजरात से 4 विधायकों को मंत्री पद दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मिस्र के विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की

मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलत्ती ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने गाजा शांति समझौते में मिस्र की अहम भूमिका के लिए राष्ट्रपति सिसी

को हार्दिक बधाई दी और उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित होगी। विदेश मंत्री अब्देलत्ती ने प्रधानमंत्री को उनकी यात्रा के दौरान आयोजित होने वाली पहली भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता के बारे में भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

'दुनिया के लिए भारत एक भरोसेमंद साझेदार...', पीएम मोदी बोले- 'न रुकेंगे, न थमेंगे'

नई दिल्ली। (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले 5 नाजुक अर्थव्यवस्था वाला भारत आज दुनिया की टॉप-5 अर्थव्यवस्था वाला देश बनकर उभरा है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब रुकने वाला नहीं है। हम न रुकेंगे, न थमेंगे। ऐसे समय में जब दुनिया में कई रुकावटें और गतिरोधक हैं, 'अनस्टॉपेबल भारत' पर चर्चा स्वाभाविक है।"

भारत की विकास यात्रा के बारे में बताए हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में उनकी सरकार के सत्ता में आने से पहले, चचाएं इस बात पर होती थीं कि भारत वैश्विक चुनौतियों का सामना कैसे करेगा, यह 5 नाजुक अर्थव्यवस्था बनने से कैसे बचेगा,

देश में नीतिगत गतिरोध और घोटाले। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, आतंकवादी स्लीपर सेल और मुद्रास्फीति भी प्रमुख मुद्दे थे जिन पर चर्चा होती थी।

उन्होंने कहा, "देश और यहां तक कि दुनिया के लोग भी सोचते थे कि भारत इन संकटों से नहीं लड़ पाएगा और इससे उबर नहीं पाएगा। लेकिन, पिछले 11 सालों में, भारत ने हर चुनौती पर विजय प्राप्त की है। 5 नाजुक अर्थव्यवस्था से, भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आज, मुद्रास्फीति 2% से नीचे है और विकास दर 7% से ऊपर है। चिप से लेकर जहाज तक, हर जगह एक 'आत्मनिर्भर' भारत, एक आत्मविश्वासी भारत है।"

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मामले में भी भारत की प्रतिक्रिया बदल गई है और उसने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दृढ़ता से जवाब दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "जब कोविड महामारी आई, तो दुनिया सोच रही थी कि भारत इतने बड़े संकट से कैसे निपटेगा। लोगों को लगा कि भारत के

छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहेगा प्रदेश का कोई भी छात्र : योगी आदित्यनाथ

300 करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि सीधे छात्रों के खातों में भेजी अब 2 चरणों में दी जा रही छात्रवृत्ति, 62 लाख छात्र पा रहे लाभ

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के ठीक पूर्व प्रदेश के छात्र-छात्राओं को बड़ी सौगात देते हुए दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ 10 लाख 28 हजार 205 विद्यार्थियों को 300 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में प्रेषित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनकी शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आने देने के संकल्प के साथ आयोजित किया गया है।

यह डबल इंजन सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में चलाए जा रहे शिक्षा-सशक्तिकरण अभियान की एक नई कड़ी है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी विजयादशमी के अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई थी। पहले छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया में भेदभाव, विलंब और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं आम थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में टेक्नोलॉजी आधारित डीबीटी प्रणाली लागू होने से अब पात्र छात्रों के खाते में राशि सीधे पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब छात्रवृत्ति वर्ष में एक बार नहीं बल्कि दो चरणों में (अक्टूबर और जनवरी में) दी जाएगी, ताकि छात्रों को समय पर सहायता मिले। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016-17 तक जहां केवल 8.64 लाख विद्यार्थी छात्रवृत्ति से लाभान्वित होते थे, वहीं अब यह संख्या 62 लाख तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 3 लाख 56 हजार से अधिक विद्यार्थियों को 114 करोड़ 92 लाख रुपए, सामान्य वर्ग के 97 हजार से अधिक छात्रों को 29 करोड़ 18 लाख रुपए, अन्य पिछड़ा वर्ग के 4 लाख 83 हजार से अधिक विद्यार्थियों को 126 करोड़ 69 लाख रुपए और अल्पसंख्यक वर्ग के 90 हजार 758 विद्यार्थियों को 27 करोड़ 16 लाख रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा एकदम स्पष्ट है, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी जी कहते हैं,पारदर्शिता ही सुशासन की पहचान है।डीबीटी प्रणाली इसी पारदर्शिता का सशक्त उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने 'आदि कर्मयोगी अभियान' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

जनजातीय परंपराएँ हमें याद दिलाती हैं कि विकास प्रकृति के सामंजस्य में होना चाहिए: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एक विकसित भारत की ओर अपनी यात्रा में, हमें यह याद रखना होगा कि राष्ट्र और समाज की वास्तविक प्रगति समाज के सभी वर्गों के विकास में निहित है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (17 अक्टूबर, 2025) नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में 'आदि कर्मयोगी अभियान' पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों, जिलों, प्रखंडों और एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियों को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह सम्मेलन शासन को वास्तव में सहभागी, समावेशी और जनभागीदारी पर आधारित बनाने के हमारे राष्ट्रीय संकल्प को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने आगे कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान प्रत्येक जनजातीय गांव को आत्मनिर्भर और गौरवशाली गांव बनाने के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया था। उन्होंने रेखांकित किया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनजातीय समुदाय राष्ट्र की विकास

यात्रा में भाग लें तथा विकास का लाभ सभी जनजातीय क्षेत्रों और लोगों तक पहुँचे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनजातीय कार्य रूपरेखा हमारे जनजातीय लोगों के विकास और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान ग्राम सभाओं और समुदाय-नेतृत्व वाली संस्थाओं को सशक्त बनाकर जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सार्थक भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय नीति को प्रभावित किया जा सकता है तथा योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे जनजातीय समुदाय देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय परंपराएँ हमें याद दिलाती हैं कि विकास प्रकृति के सामंजस्य में होना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल के वर्षों में, सरकार ने जनजातीय समुदायों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल वित्तीय सहायता प्रदान करना है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, तकनीकी कौशल और शासन में समान भागीदारी के अवसर प्रदान करना भी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में अवसंरचना का तेजी से विस्तार किया है और जनजातीय युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए आवासीय विद्यालय और छात्रवृत्ति कार्यक्रम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कौशल विकास और स्वरोजगार योजनाओं ने पारंपरिक शिल्प, हस्तशिल्प और उद्यमिता को नई ताकत दी है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इन प्रयासों से न केवल आजीविका के अवसर बढ़े हैं, बल्कि जनजातीय लोगों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता भी मजबूत हुई है।

डीजीसीए ने परीक्षा वेबसाइट के माध्यम से उड़ान चालक दल के लिए कंप्यूटर नंबरों का स्वतः निर्माण शुरू किया

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने 16 अक्टूबर 2025 से परीक्षा वेबसाइट/पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने वाले फ्लाइट क्रू (एफसी) उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर नंबरों का स्वतः सृजन शुरू किया है।

इस पहल का उद्देश्य डिजिलॉकर सुविधा का उपयोग करना, आवेदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, व्यापार करने में आसानी बढ़ाना और मैन्युअल दस्तावेज जमा करने और सत्यापन को समाप्त करना है। कार्यान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगाः चरण I: सीबीएसई बोर्ड से 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर नंबरों का स्वतः सृजन उपलब्ध होगा, जो डिजिलॉकर के माध्यम से सफल सत्यापन के अधीन होगा।

बाद के चरणः- यह सुविधा अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड के उम्मीदवारों को भी दी जाएगी जिनकी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट/प्रमाणपत्र डिजिलॉकर में उपलब्ध हैं। डीजीसीए द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुसार, डीजीसीए परीक्षा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन सफलतापूर्वक जमा करने पर ऑटो-जनरेशन प्रणाली स्वचालित रूप से तुरंत एक कंप्यूटर नंबर आवंटित करेगी।

गुजरात से औद्योगिक नमक की पहली रेल खेप कश्मीर पहुँची

कश्मीर घाटी में माल परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। 1,350 टन औद्योगिक नमक की पहली रेल खेप गुजरात के अहमदाबाद मंडल के खाराघोड़ा (KOD) स्टेशन से जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग (ANT) स्टेशन पर सफलतापूर्वक पहुँची है।

स्थानः खाराघोड़ा गुजरात के सुरेंद्रनगर ज़िले में स्थित एक प्रसिद्ध नमक उत्पादन क्षेत्र है, जो लिटिल रण ऑफ कच्छ की सीमा पर बसा हुआ है।

शुद्धताः खाराघोड़ा का नमक अपनी उच्च गुणवत्ता और शुद्धता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ उत्पादित कुछ

प्रकार के नमक में 98% से अधिक सोडियम क्लोराइड (NaCl) होता है। इस क्षेत्र की रिफाइनरियाँ औद्योगिक और खाद्य दोनों श्रेणियों का नमक तैयार करती हैं।

प्रयोगः इस खेप का उपयोग चमड़ा उद्योग, साबुन निर्माण तथा ईंट भट्ठों में किया जाएगा।

यह उपलब्धि कश्मीर में रेल नेटवर्क के माध्यम से गैर-पारंपरिक माल ढुलाई को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे परिवहन समय और लागत में कमी आने के साथ-साथ सड़क परिवहन पर निर्भरता भी घटेगी।

यह रेल रेक लगभग 2,000 किलोमीटर की दूरी तय कर खाराघोड़ा से अनंतनाग पहुँची।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा यात्रियों से जुड़ने के लिए 'अमृत संवाद' का आयोजन

बदलाव के लिए बातचीत, सेवा के लिए प्रतिबद्धता – जन संवाद से जन विकास

पहली तस्वीर में मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर अमृत संवाद के दौरान यात्रियों के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अमृत काल के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप और माननीय प्रधान मंत्री द्वारा व्यक्त पंच प्राण के मार्गदर्शक सिद्धांतों से प्रेरित होकर पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन के कॉनकोर्स एरिया में एक गतिशील "अमृत संवाद" का आयोजन किया गया। विशेष अभियान 5.0 के तहत आयोजित इस पहल का उद्देश्य सामूहिक भागीदारी के माध्यम से परिवर्तनकारी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए रेलवे अधिकारियों और यात्रियों के बीच सीधे जुड़ाव को बढ़ावा देना था।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने किया, जिन्होंने अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ एक खुले प्रश्नोत्तर सत्र में यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस संवाद में यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जन सुरक्षा, स्टेशन सुविधाओं, डिब्बों में सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ प्रीमियम स्लीपर लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत के बारे में प्रश्न पूछे और सुझाव साझा किए।

मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने प्रत्येक प्रश्न का ध्यानपूर्वक उत्तर दिया और यात्रियों को यात्री सुविधाओं में वृद्धि, सुरक्षा प्रणालियों को सुदृढ़ करने और आधुनिक, तकनीक-संचालित यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासों का आश्वासन दिया। उन्होंने यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने, ज़िम्मेदार यात्रा आदतें अपनाने और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सकारात्मक योगदान देकर रेलवे के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमृत संवाद पहल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन के बीच सहभागिता को सशक्त बनाते हुए ऐसा संवाद मंच तैयार करना है, जहां जनसुझावों को ठोस नीतिगत एवं विकासात्मक कार्यों में रूपांतरित किया जा सके। यह पहल अमृत काल और पंच प्राण के संकल्पों से प्रेरित होकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंबलियासन-वीजापुर रेलखंड में 120 किमी की स्पीड से ट्रेन का हुआ संचालन

42 किमी की दूरी 25 मिनट में की पूरी, औसत गति 101 किमी से अधिक की आई

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के आंबलियासनझवीजापुर रेलखंड (42.32 किमी) का गेज परिवर्तन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण रेलवे संरक्षा आयुक्त (उफ्र), वेस्टर्न सर्कल श्री ई. श्रीनिवास द्वारा 16 एवं 17 अक्टूबर, 2025 को किया गया। अंतिम संरक्षा स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा।

इस रेलखंड को मई 2022 में ₹415.37 करोड़ की लागत से मीटर गेज से ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई थी। अब यह खंड यात्रियों के लिए आधुनिक, सुरक्षित एवं सुचारू रेल संचालन हेतु लगभग तैयार है। रेल सुरक्षा आयुक्त (पश्चिम सर्कल) द्वारा किया गया वैधानिक निरीक्षण कमीशनिंग से पहले एक आवश्यक कदम है। निरीक्षण टीम ने स्टेशन सुविधाओं, ट्रैक ज्योमेट्री, घुमाव, पुलों और रोड अंडर ब्रिज (RUBs) की विस्तृत जांच की। इसमें 02 मेजर ब्रिज, 51 माइनर ब्रिज और 45 नए रोड अंडर ब्रिज (फ्वइ२) शामिल हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे लाइन को लेवल क्रॉसिंग के समीप फेंसिंग द्वारा सुरक्षित किया गया है, तथा इस खंड पर कुल 04 लेवल क्रॉसिंग्स हैं।

17 अक्टूबर, 2025 को विभिन्न स्थानों पर विस्तृत निरीक्षण किया गया। कुकरवाडा से वीजापुर तक

लगभग 15 किमी का ट्रॉली निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात आंबलियासनझवीजापुर रेलखंड (42.32 किमी) पर 120 किमी/घंटे की स्पीड से गति परीक्षण किया गया। इस दौरान श्री ई. श्रीनिवास, रेल संरक्षा आयुक्त (CRS), पश्चिम रेलवे, श्री वेद प्रकाश मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद; श्री प्रदीप गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कुकरवाडा स्टेशन पर प्लेटफार्म की ऊँचाई, कॉपिंग और एंड पाथवे की जांच की गई। फ्वइ संख्या 65 इ में ऊँचाई, गेज और जल निकासी की व्यवस्था देखी गई, साथ ही MDD टेस्ट, बैंक स्लोप और सेस की चौड़ाई की भी जांच की गई।

इसी प्रकार, गेरिताझकोलवाड़ा में प्लेटफार्म की माप और एंड पाथवे की जाँच की गई। फ्वइ संख्या 79इ की ऊँचाई, गेज, जल निकासी और पैदल मार्ग की व्यवस्था देखी गई। विजापुर स्टेशन पर ट्रैक के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। प्लेटफार्म की कॉपिंग, ऊँचाई एंड पाथवे की जांच की गई। विजापुर स्टेशन में सबवे का निरीक्षण किया गया, साथ ही यात्रियों की सुविधाओं की भी जाँच की गई।

इस गेज परिवर्तन परियोजना से यात्रियों और क्षेत्र को कई लाभ प्राप्त होंगे। मालगाड़ियों का परिचालन सुनिश्चित होगा और इस खंड के चालू होने से विजापुर क्षेत्र से कॉटन, गेहूँ, आलू एवं टोबेको, तेल उत्पाद इत्यादि की आपूर्ति देशभर में अधिक सुगमता से हो सकेगी, जिससे व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति प्राप्त होगी। अभी तक सड़क मार्ग से परिवहन किया जाता था, वह अब रेल मार्ग से शीघ्र भेजा जा सकेगा। इससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ होगा तथा रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी।

यात्रियों को बेहतर और तेज रेल संपर्क उपलब्ध होगा, विशेष रूप से उत्तर गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत संरचनाओं और आधुनिक सुरक्षा उपायों के साथ यात्रा अब अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होगी।

ऑपरेशन जीवन रक्षा : अपनी जान जोखिम में डालकर कांस्टेबल श्री रमेश जाधवने बचाई एक बच्चे की जान

वडोदरा मंडल के गोधरा के रेल सुरक्षा बल में कार्यरत कांस्टेबल श्री रमेश जाधव ने अत्यंत साहस, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए अपनी जान को जोखिम में डालकर असावधानीवश ट्रेन से गिरे एक 3 वर्षीय बालक की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की है।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दिनांक 16.10.2025 को ट्रेन नं 19038 बरौनी - बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस के कोच सं र५ में श्री संतोष यादव अपनी पत्नी एवं 03 वर्षीय पुत्र के साथ मुजफ्फरपुर से वापी यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान कानसुधीझगोधरा रेलखंड पर, ट्रेन के गोधरा यार्ड में प्रवेश से पहले, बालक अपनी माता के साथ शौचालय जाते समय असावधानीवश दरवाजे के पास से फिसलकर दूसरी रेल लाइन पर नीचे गिर गया।

श्री रमेश जाधव एवं यात्री परिवार

बालक के गिरते ही यात्रियों द्वारा तत्काल चेन खींचकर ट्रेन रोकी गई। उसी दौरान ड्यूटी पर तैनात गोधरा में कार्यरत कांस्टेबल श्री रमेश जाधव ने घटना स्थल पर बालक को देखा। उसी समय उस रेल लाइन पर ट्रेन नं 12951 मुंबई – नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस आ रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्री रमेश जाधव ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना अत्यंत साहस, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए तेज गति से लाइन पर दौड़ लगाई और आने वाली ट्रेन के पहले बालक तक पहुँचकर उसे सुरक्षित स्थान पर खींच लिया।

श्री रमेश जाधव ने बालक की तत्परता से जान बचाने के बाद उसे उसके परिवारजनों को सुपुर्द कर दिया। यात्री ने अपने पुत्र के शरीर पर कोई चोट ना आने की पुष्टि की तथा अपनी यात्रा जारी रखी।

घटना के पश्चात कोच में उपस्थित सभी यात्रियों एवं परिजनोंने कांस्टेबल श्री रमेश जाधव के साहसिक कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

पश्चिम रेलवे ऐसे कर्तव्यनिष्ठ रेलकर्मी पर गर्व करती है, जो लोगों के लिए मानवता की मिसाल हैं।

पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल मैदानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुंबई, 17 अक्टूबर, 2025

पश्चिम रेलवे के एथलीटों द्वारा शक्ति, कौशल और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन

पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रतियोगिताओं में कुश्ती और हॉकी में उल्लेखनीय प्रदर्शन करके अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिससे संगठन को गौरव और पहचान मिली है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने 7 से 9 अक्टूबर 2025 तक एनआरएसए, नई दिल्ली में आयोजित 66वीं पुरुष अखिल भारतीय अंतर-रेलवे कुश्ती (फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन) चैम्पियनशिप 2025 में चैम्पियनशिप का खिताब जीता। ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने 3 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक और 4 कांस्य पदक के

तस्वीर में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता; पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक एवं पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री वी. ए. मालेगांवकर तथा पश्चिम रेलवे के मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (कोचिंग) एवं पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ के महासचिव श्री रजनीश कुमार तोमर, कुश्ती एवं हॉकी टीमों के पदक विजेता सदस्यों के साथ दिखाई दे रहे हैं।

साथ असाधारण पदक तालिका तैयार की।

फ्री स्टाइल कुश्ती स्पर्धा में पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4 रजत और 2 कांस्य पदक अपने नाम किए, जो संगठन में मौजूद प्रतिभाशाली खेल कौशल का प्रमाण है।

चीन के हांग्जो में आयोजित 2025 महिला हॉकी एशिया कप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाते हुए पश्चिम रेलवे की महिला हॉकी खिलाड़ी सुश्री नवनीत कौर और सुश्री मनीषा चौहान ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। नई दिल्ली में आयोजित 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में घरेलू स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को जारी रखते हुए सुश्री नवनीत कौर ने भारतीय रेल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

पश्चिम रेलवे सभी एथलीटों, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों को उनकी अटूट भावना, समर्पण और अनुकरणीय उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देती है, जो रेलवे समुदाय को निरंतर प्रेरित करती हैं। उनकी सफलता खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता का गौरवशाली प्रमाण है।

अहमदाबाद मंडल ने फेस्टिवल सीजन के दौरान व्यापक भीड़ प्रबंधन हेतु उठाये अहम कदम

यात्रियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अहमदाबाद मंडल ने की व्यापक तैयारी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा आगामी दीवाली एवं छठ पूजा त्योहारों के दौरान यात्रियों की आवाजाही में अपेक्षित भारी वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सुरक्षित, सुचारू और कुशल रेल संचालन सुनिश्चित करने हेतु व्यापक भीड़ प्रबंधन एवं यात्री सुविधा उपाय किए गए हैं। इसके अंतर्गत अहमदाबाद, असारवा, साबरमती एवं गांधीधाम स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। अहमदाबाद, असारवा और साबरमती स्टेशनों पर राउंड-द-क्लॉक (24x7) अधिकारियों की निगरानी में व्यापक प्रबंध किए गए है ताकि प्रत्येक स्थिति पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

अहमदाबाद स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु सरसपुर साइड 3230 वर्ग फूट तथा प्लेटफॉर्म नं. 01 की ओर 8072 वर्ग फूट के यात्री होल्डिंग क्षेत्र बनाए गए हैं, जिनमें बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, प्रकाश, पंखे, शौचालय एवं सार्वजनिक घोषणा प्रणाली जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

साबरमती स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु नवनिर्मित स्टेशन बिल्डिंग में टिकट काउंटर और 4-5 हजार यात्रियों के बैठने की सुविधा की गई है। प्रवेश एवं निकास द्वारों को पृथक रखा गया है ताकि यातायात प्रवाह सुचारू रहे। इसके अतिरिक्त, 15 से 28 अक्टूबर 2025 तक मेडिकल टीम की भी तैनाती की गई है, जिससे किसी आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध हो सके।

भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को सुविधा देने हेतु अतिरिक्त टिकट बुकिंग काउंटर शुरू किए गए हैं। कतार नियमन, यात्री सहायता एवं सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिकट जांच कर्मचारी एवं फ्ढ्ऋकर्मी भी लगाए गए हैं। प्रतीक्षारत यात्रियों के लिए स्टेशनों पर कवर्ड होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जिससे ट्रेन के प्रस्थान तक यात्री आराम से प्रतीक्षा कर सकें।

रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा ड्यूटी के दौरान वॉकी-टॉकी एवं बॉडी-वॉर्न कैमरा का उपयोग कर निर्बाध डिजिटल संचार बनाए रखा जा रहा है। इसके साथ ही सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। अहमदाबाद मंडल कार्यालय में 'वार रूम' (हं१ फ्ङ्क्ष्े) स्थापित किया गया है, जहां से वास्तविक समय पर सभी स्टेशनों से समन्वय करते हुए स्थितियों की निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

यात्रियों के लाभ हेतु ये व्यवस्थाएं सुनिश्चित करती हैं कि त्योहारी सीजन में भी यात्रा सुरक्षित, आरामदायक और समयबद्ध बनी रहे। इन उपायों से यात्रियों को लंबी कतारों, अनावश्यक भीड़भाड़ और असुविधा से राहत मिलेगी, साथ ही स्टेशन परिसर में सुरक्षा और स्वच्छता का स्तर भी बेहतर रहेगा।

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे स्टेशन परिसर में निर्धारित होल्डिंग एरिया का उपयोग करें और सुरक्षा कर्मियों एवं रेलवे कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करें, ताकि सभी यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव सुखद और सुरक्षित बन सके।

'स्वच्छता पखवाड़ा - 2025' के अंतर्गत भावनगर मंडल में विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर 'स्वच्छता पखवाड़ा झ 2025' के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान का शुभारंभ 01 अक्टूबर 2025 को प्रभात फेरी एवं स्वच्छता शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में रेलकर्मी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के दिशा निदेर्शों के अनुरूप एवं वरिष्ठ मंडल यॉंत्रिक इन्जीनियर श्री संतोष कुमार मिश्रा की देखरेख में चलाए गए अभियान के दौरान प्रत्येक दिन को एक विशिष्ट थीम के अंतर्गत मनाया गया, जिनमें प्रमुख रूप से — स्वच्छता शपथ दिवस, स्वच्छता जागरूकता दिवस, स्वच्छ भारत दिवस, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ ट्रैक, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ कार्यस्थल, स्वच्छ आवासीय परिसर, स्वच्छ आहार, स्वच्छ पानी, स्वच्छ प्रसाधन, सिंगल यूज प्लास्टिक निषेध एवं स्वच्छता रैली शामिल थे।

महात्मा गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस (02 अक्टूबर 2025) के अवसर पर वृक्षारोपण, निरीक्षण एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (हफ्हहड) की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी वर्मा ने विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही, चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता 12 बच्चों एवं स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 12 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

'स्वच्छ रेलगाड़ी' थीम के अंतर्गत पोरबंदर, भावनगर एवं वेरावल कोचिंग डिपो में ट्रेनों की गहन यांत्रिक सफाई की गई। साथ ही, स्टेशनों पर यात्रियों के बीच स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। 'स्वच्छ आहार' दिवस के अवसर पर मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा भावनगर टर्मिनस, जूनागढ़, वेरावल, पोरबंदर, जेतलसर, बोटाद, सोनगढ़, धोला एवं धोलका स्टेशनों पर खाद्य स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। पेंट्री कार विक्रेताओं एवं स्टॉल संचालकों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वच्छ आहार के महत्व से अवगत कराया गया।

अभियान के दौरान मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाओं एवं कार्यालयों की संपूर्ण सफाई कर कर्मचारियों एवं यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। 'स्वच्छ पटरी' कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों द्वारा रेलवे ट्रैकों की सफाई की गई।

इसके अतिरिक्त, 'वेस्ट टू आर्ट', श्रमदान, रैलियों एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के माध्यम से रेलकर्मियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। यात्रियों से स्वच्छता के संबंध में फीडबैक लिया गया तथा भविष्य की योजनाओं हेतु सुझाव आमंत्रित किए गए।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने 17 अक्टूबर, 2025 (शुक्रवार) को मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिती में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और 'स्वच्छता पखवाड़ा झ 2025' अभियान के अंतर्गत किये गये क्रियाकलापों की जानकारी दी एवं कहा कि भावनगर मंडल ने इस पखवाड़े को जन-अभियान का स्वरूप देते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया की 1 से 15 अक्टूबर तक चले इस अभियान के दौरान हमारे मंडल के 66 रेलवे स्टेशनों को कवर किया गया। लगभग 925 कर्मचारियों और नागरिकों ने स्वच्छता शपथ ली और 12400 वर्गमीटर क्षेत्र की सफाई की गई। 160 मीटर नालियों की सफाई, 9 स्थानों पर फ्यूमीगेशन, और 9 एंटी-लिटरिंग ड्राइव्स के माध्यम से हमने स्वच्छता को जन-जागरूकता से जोड़ा। 'स्वच्छ परिसर' के तहत 39 कार्यालयों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण किया गया, जबकि 36 किलोमीटर ट्रैक की सफाई और 2.3 टन प्लास्टिक अपशिष्ट का निस्तारण हुआ। 'स्वच्छ नीर' अभियान में 15 जलस्थलों और 10 पानी के बूथों की सफाई एवं जल गुणवत्ता की जांच की गई। भावनगर मंडल के सभी स्टेशनों पर अब साफ-सुथरे प्लेटफॉर्म, सुधरी हुई जल व शौचालय सुविधाएँ, और स्वच्छ वातावरण यात्रियों को एक नया अनुभव दे रहे हैं।

भावनगर मंडल ने इस अवसर पर यह संकल्प लिया कि 'स्वच्छता ही सेवा' के आदर्शों को आत्मसात करते हुए रेलवे परिसरों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ बनाए रखने हेतु अपने प्रयास निरंतर जारी रखेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा ऊर्जा संरक्षण के बेहतर उपायों की पहल

मुंबई,

आज के दौर में जहाँ ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है, रेलवे द्वारा अपने नेटवर्क में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के बिजली विभाग द्वारा बिजली की खपत कम करने, परिचालन दक्षता में सुधार लाने और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाने के उद्देश्य से ऊर्जा-बचत पहल शुरू की गई है। ये प्रयास एक हरित भविष्य के निर्माण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्थिरता और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत पश्चिम रेलवे द्वारा कई प्रभावशाली ऊर्जा संरक्षण अभियान शुरू किए गए हैं। ये प्रयास भारतीय रेल की पर्यावरण संरक्षण और परिचालन दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

इस पहल के अंतर्गत, मुंबई सेंट्रल मंडल के स्टेशनों और सेवा

भवनों पर लगभग 12,500 ऊर्जा-कुशल ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (BLDC) पंखे लगाए गए हैं। बीएलडीसी पंखे पारंपरिक सीलिंग पंखों की अपेक्षा लगभग 40% कम बिजली का उपयोग करते हैं, साथ ही ये अधिक शांत, टिकाऊ और उच्च प्रदर्शन वाले होते हैं। इसके अलावा, मंडल द्वारा स्टेशनों, कार्यालयों और सेवा क्षेत्रों में 1,48,700 से अधिक एलईडी फिक्स्चर लगाकर ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था में पूर्ण परिवर्तन हासिल किया गया है। इस पहल से बिजली की खपत और रखरखाव की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है।

यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और ऊर्जा दक्षता बनाए रखने के लिए, दादर, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, भायंदर, सूरत, उधना, नंदुरबार और वापी सहित प्रमुख स्टेशनों पर 10 प्राकृतिक वाटर कूलर लगाए गए हैं। ये कूलर बिना कंप्रेसर के काम करते हैं और इनकी शीतलन क्षमता 45 लीटर प्रति घंटा है। ये 150 लीटर तक पानी संग्रहित कर सकते हैं। ये कूलर न्यूनतम ऊर्जा का उपयोग करते हुए 23त्उ से 27त्उ के बीच तापमान बनाए रखते हैं।

इसके अतिरिक्त, मुंबई सेंट्रल मंडल में एयर-कंडीशनिंग सिस्टम को और अधिक कुशलता से अनुकूलित करने के लिए 1,200 से ज्यादा ऑक्यूपेंसी सेंसर लगाए गए हैं। ये स्मार्ट सेंसर मानवीय उपस्थिति का पता लगाते हैं और स्वचालित रूप से एयर-कंडीशनिंग को समायोजित करते हैं, जिससे खाली कमरों में अनावश्यक ऊर्जा की खपत कम होती है।

इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से, पश्चिम रेलवे नवीन और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर एक मजबूत उदाहरण स्थापित कर रही है, जो एक हरित और अधिक ऊर्जा-कुशल भविष्य के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

अभी शांत नहीं हुआ बिहार के गठबंधनों में मचा घमासान

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों प्रमुख गठबंधनों में मचा घमासान रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। प्रथम चरण के नामांकन भरने की आखिरी तारीख (17 अक्टूबर) करीब आ जाने के बावजूद भी दोनों गठबंधनों में संग्राम जारी है। गठबंधन की राजनीति में सहयोगी दलों के बीच रूठना-मनाना आम बात है। खासकर जब चुनाव सिर पर हो तो दबाव की राजनीति अपनी चर्म पर होती है। दोनों ही गठबंधनों एनडीए और महागठबंधन में असंतोष चर्म सीमा पर है। पहले बात करते हैं महागठबंधन की। यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में मतभेद हैं। तभी तो नामांकन की अंतिम तिथि में जाकर सीट बंटवारे की घोषणा फाइनल हो सकी। दरअसल कांग्रेस यह साबित करना चाहती है कि गठबंधन में सीनियर पार्टनर है क्योंकि वह देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है जबकि राजद एक क्षेत्रीय दल है और उसे उसी हिसाब से सीटों का बंटवारा करना चाहिए। दूसरी ओर तेजस्वी यादव का मानना है कि उनकी पार्टी बिहार में कांग्रेस से कहीं बड़ा जनाधार रखती है इसलिए उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि दोनों के बीच सही मायनों में मतभेद मिट गए हैं और दोनों अपने इस इरादे पर पक्के हैं कि एनडीए को इस बार हराना है। वहीं अगर एनडीए की बात करें तो यहां कई मसले हैं।

नीतीश वुमार चाहते हैं कि वह बड़े भाई की भूमिका में चुनाव में जाएं, इसलिए उन्हें भाजपा से ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए थीं। वह यह भी चाहते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर एनडीए चुनाव में जाए। जबकि भाजपा का कहना है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा यह चुनाव के बाद चुने विधायक करेंगे। एक पेंच तो यह पंसा हुआ है। दूसरा पेच चिराग पासवान को लेकर पंसा हुआ है। नीतीश चिराग को एक आंख नहीं भाते।

वह चाहते थे कि चिराग को 15 सीटें मिलें, जबकि भाजपा हाईकमान ने उन्हें 29 सीटें दे दीं। इन 29 सीटों में ऐसी भी कई सीटें शामिल हैं जहां जदयू का सिटिंग विधायक है। नतीजा यह हुआ कि जदयू ने चिराग की 7 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए। बता दें कि चिराग ने पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू को करारा झटका दिया था। तब उन्होंने जदयू कोटे की ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशी उतार तीन दर्जन सीटों का नुकसान पहुंचाया था। इस कारण जदयू राज्य में तीसरे नंबर की पार्टी बन कर रह गई थी। कहा जा रहा है कि इस बार चिराग के कोटे की सीटों पर उम्मीदवार उतार नीतीश पुराना हिसाब चुकता कर रहे हैं। उपेन्द्र वुशवाहा और जीतन राम मांझी को 6-6 सीटें दी गईं हैं। दोनों ही नाराज चल रहे हैं। भाजपा आलाकमान के दबाव में अब वह कह तो रह हैं कि सब ठीक है पर अंदर खाते आग सुलग रही है और चुनाव में एनडीए एक बंटा हुआ गठबंधन नजर आ सकता है। एक बात फिर से यह तो साबित हो गई कि आज भी बिहार में नीतीश वुमार एक महत्वपूर्ण पैक्टर हैं और उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। यह सही है कि पिछले वुछ समय से नीतीश की सेहत पर सवाल उठते रहे हैं और वह ज्यादा सव्रिय भी नहीं दिखे। पर पिछले तीन-चार दिनों में नीतीश अपने पुराने रंग में दिखाई दिए। जिस तरीके से उन्होंने अपनी पार्टी को संभालने के लिए सख्त कदम उठाए हैं उससे साफ है कि वह यह मानते हैं कि भाजपा उन्हें अगला मुख्यमंत्री नहीं बनाने वाली हैं। उन्हें यह भी समझ आ गया है कि उनके तीनों वरिष्ठ साथी अंदर खाते भाजपा समर्थक हैं और उनके इरादे पर पार्टी को अंदर से तोड़ना चाहते हैं। इसी वजह से नीतीश ने अब कई शर्तें भाजपा के सामने रखी हैं। देखना होगा कि उन्हें भाजपा मानती है या नहीं?

गुजरात : राज्य मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों का परिचय

कैबिनेट मंत्रीः

1. श्री जितेन्द्रभाई सवजीभाई वाघाणी

सीट नंबर : 105, निर्वाचन क्षेत्र : भावनगर (पश्चिम) (भावनगर शहर)

जन्म : 28 जुलाई, 1970, वरतेज

व्यवसाय : कृषि और निर्माण

संसदीय करियर : 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। 14वीं गुजरात विधानसभा के दौरान 16 सितंबर 2021 से 09 दिसंबर 2022 तक प्राथमिक, माध्यमिक और प्रौढ़, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री के रूप में सेवाएं दीं। इसके अलावा, 15वीं विधानसभा के सदस्य के रूप में गुजरात विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के रूप में 20 अप्रैल 2023 से कार्यरत हैं।

शौक : पठन, समाज सेवा, लोक साहित्य, खेल और यात्रा

2. श्री नरेशभाई मगनभाई पटेल

सीट नंबर : 176, निर्वाचन क्षेत्र : गणदेवी (अ.ज.जा.) (जिला- नवसारी)

जन्म : 1 जून, 1969, मोगरावाड़ी, नवसारी

व्यवसाय : कृषि और व्यापार

संसदीय करियर : 12वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। 14वीं गुजरात विधानसभा में आदिजाति विकास और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और ग्राहक सुरक्षा विभाग के मंत्री के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन, लेखन, संगीत और क्रिकेट

3. श्री अर्जुनभाई देवाभाई मोढवाडिया

सीट नंबर : 83, निर्वाचन क्षेत्र : पोरबंदर (जिला- पोरबंदर)

जन्म : 17 फरवरी, 1957, मोढवाडा, पोरबंदर

व्यवसाय : सामाजिक गतिविधियां और कृषि

संसदीय करियर : 11वीं और 12वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा, उन्होंने अगस्त-सितंबर, 2003 के दौरान श्रीलंका में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के एशिया क्षेत्र की दूसरी कॉन्फ्रेंस में गुजरात के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया।

शौक : पठन, टेनिस, वृक्षारोपण, युवा गतिविधियां और व्यसन निर्मूलन

4. डॉ. प्रद्युमन गनुभाई वाजा

सीट नंबर : 92, निर्वाचन क्षेत्र : कोडिनार (अ.जा.) (जिला- गिर-सोमनाथ)

जन्म : 18 अगस्त, 1969, कुतियाणा

व्यवसाय : डॉक्टर

संसदीय करियर : 12वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे।

गतिविधियां : ट्रस्टी, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन

शौक : पठन, यात्रा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां

5. श्री रमणभाई भीखाभाई सोलंकी

सीट नंबर : 109, निर्वाचन क्षेत्र : बोरसद (जिला- आणंद)

जन्म : 28 अप्रैल, 1965, वटादरा, तहसील-खंभात

व्यवसाय : सेवानिवृत्त शिक्षक, कृषि

संसदीय करियर : 15वीं गुजरात विधानसभा में उप मुख्य सचेतक के रूप में 12 दिसंबर, 2022 से कार्यरत रहे

गतिविधियां : वर्ष 2005 से 2010 के दौरान जिला पंचायत में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा, ठाकोर समाज के मंत्री के रूप में भी सेवाएं दीं।

शौक : पठन

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) :

6. श्री ईश्वरसिंह ठाकोरभाई पटेल

सीट नंबर : 154, निर्वाचन क्षेत्र : अंकलेश्वर (जिला- भरूच)

जन्म : 25 जून, 1965, मु.पो. कुडादरा, तहसील-हांसोट, भरूच

व्यवसाय : कृषि

संसदीय करियर : 11वीं, 12वीं, 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। वे सहकारिता, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग में 2 मार्च, 2009 से 1 फरवरी, 2011 के दौरान संसदीय सचिव रहे। इसके अलावा, उन्होंने 2 फरवरी, 2011 से 25 दिसंबर, 2012 के दौरान सहकारिता, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग के राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दी हैं। उन्होंने 7 अगस्त, 2016 से 25 दिसंबर, 2017 के दौरान सहकारिता विभाग का स्वतंत्र प्रभार संभाला है तथा दिसंबर, 2017 से सितंबर, 2021 के दौरान सहकारिता, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग का स्वतंत्र प्रभार और परिवहन विभाग के राज्य मंत्री के रूप में सेवादायित्व संभाला। उन्होंने विधानसभा की सार्वजनिक उपक्रम समिति, पंचायती राज समिति और आश्वासन समिति के सदस्य और अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

शौक : पठन, व्यायाम, यात्रा, खेल, समाज सेवा और वृक्षारोपण

7. डॉ. मनीषा राजीवभाई वकील

सीट नंबर : 141, निर्वाचन क्षेत्र : वडोदरा (अ.जा.) (वडोदरा शहर)

जन्म : 25 मार्च, 1975, वडोदरा

व्यवसाय : सुपरवाइजर और शिक्षक, ब्राइट डे स्कूल

संसदीय करियर : 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहीं। उन्होंने सितंबर-2021 से दिसंबर-2022 के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं।

शौक : पठन

राज्य मंत्री :

8. श्री कांतिलाल शिवलाल अमृतिया

सीट नंबर : 65, निर्वाचन क्षेत्र : मोरबी (जिला- मोरबी)

जन्म : 8 मार्च, 1962, जेतपुर, तहसील और जिला- मोरबी

व्यवसाय : कृषि, उद्योग और शिक्षा

संसदीय करियर : 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं और 13वीं गुजरात विधानसभा के सदस्य के रूप में कार्यरत रहे।

शौक : पठन, समाज सेवा, यात्रा, खेल, क्रिकेट, टेनिस और तैराकी

9. श्री रमेशभाई भूराभाई कटारा

सीट नंबर : 129, निर्वाचन क्षेत्र : फतेपुरा (अ.ज.जा.) (जिला- दाहोद)

जन्म : 4 मई, 1975, हिंगला

व्यवसाय : कृषि

संसदीय करियर : 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा, उन्होंने सितंबर-2021 से दिसंबर-2022 के दौरान विधानसभा के उप मुख्य सचेतक के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

गतिविधियां : सदस्य, जिला पंचायत-दाहोद

शौक : पठन और समाज सेवा

10. श्रीमती दर्शनाबेन मुकेशभाई वाघेला

सीट नंबर : 56, निर्वाचन क्षेत्र : असारवा विधानसभा (अहमदाबाद शहर)

जन्म : 5 सितंबर, 1972, अहमदाबाद

व्यवसाय : पूर्व शाला आचार्य

गतिविधियां : अहमदाबाद महानगर पालिका में दो कार्यकाल तक पार्षद रहीं। इसके अलावा उन्होंने वर्ष 2010 से 2013 के दौरान अहमदाबाद महानगर पालिका में उप महापौर के रूप में सेवाएं दी हैं। वे सफाई कामदार निगम की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं और हाल में वाल्मीकि फाउंडेशन से जुड़ी हुई हैं।

शौक : पठन, वक्तव्य

11. श्री कौशिकभाई कांतिभाई वेकरिया

सीट नंबर : 95, निर्वाचन क्षेत्र : अमरेली विधानसभा (जिला- अमरेली)

जन्म : 9 जून 1986, मोजे खीचा, तहसील धारी, जि. अमरेली

व्यवसाय : कृषि, व्यवसाय (श्री द्रोणेश्वर पेट्रोलियम)

संसदीय कॅरियर : 15वीं गुजरात विधानसभा में मुख्य उप सचेतक के रूप में दि. 12 दिसंबर 2022 से कार्यरत थे।

गतिविधियां : निदेशक, गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव हाउसिंग फाइनेंस बोर्ड, दि. 29/03/2016 से कार्यरत। पूर्व निदेशक, खेतीबाड़ी उत्पाद बाजार समिति, अमरेली

शौक : राजपुरुषों की जीवनगाथा तथा विश्व के राजनीतिक इतिहास का पठन, सामाजिक गतिविधियां, जनसंपर्क, यात्रा-पर्यटन, सिंह दर्शन

12. श्री प्रवीणकुमार गोरधनजी माली

सीट नंबर : 13, निर्वाचन क्षेत्र : डीसा (जिला- बनासकांठा)

जन्म : 8 मार्च 1985, डीसा

व्यवसाय : कृषि एवं व्यापार

गतिविधियां : संयोजक, प्रदेश भाजपा प्रलेखन विभाग। ट्रस्टी, महात्मा ज्योतिबा फुले एजुकेशन ट्रस्ट, डीसा

शौक : पठन, साइकलिंग, वॉलीबॉल

13. डॉ. जयरामभाई चेमाभाई गामित

सीट नंबर : 172, निर्वाचन क्षेत्र : नीझर (अजजा) (जिला- तापी)

जन्म : 1 जून 1975, कटारावाण, तहसील- उच्छल (तापी)

व्यवसाय : कृषि एवं पशुपालन

गतिविधियां : अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, तापी जिला

शौक : लेखन, पठन, सांस्कृतिक कार्यक्रम

14. श्री त्रिकमभाई बीजलभाई छांगा

सीट नंबर : 4, निर्वाचन क्षेत्र : अंजार (जिला- कच्छ)

जन्म : 1 जून, 1962, रतनाल, अंजार, कच्छ

व्यवसाय : सेवानिवृत्त आचार्य

गतिविधियां : वर्ष 2000 से 2010 तक अंजार तहसील पंचायत के सदस्य के रूप में सेवाएं दीं और फिर 1010 से 2015 तक कच्छ जिला पंचायत सदस्य व अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन

15. श्री कमलेशभाई रमेशभाई पटेल

सीट नंबर : 113, निर्वाचन क्षेत्र : पेटलाद (जिला- आणंद)

जन्म : 12 अप्रैल 1970, संतोकपुरा, बोरसद

व्यवसाय : कृषि एवं नौकरी (आचार्य, शाहपुर हाईस्कूल)

गतिविधियां : उन्होंने पेटलाद तहसील भाजपा अध्यक्ष, चौद गाम केळवणी उत्तेजक ट्रस्ट के सचिव तथा पेटलाद एजुकेशन ट्रस्ट के सदस्य के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन एवं समाज सेवा

16. श्री संजयसिंह विजयसिंह महिडा

सीट नंबर : 118, निर्वाचन क्षेत्र : महुधा (जिला- खेड़ा)

जन्म : 20 अक्टूबर 1979, त्राणजा, मातर

व्यवसाय : कृषि एवं व्यापार

गतिविधियां : अध्यक्ष, नडियाद तहसील पंचायत। पूर्व अध्यक्ष-कारोबारी समिति-तहसील पंचायत, तहसील संगठन महासचिव (2020 तक), सचिव-महिडा मेलड़ी माताजी मंदिर सेवा समाज ट्रस्ट, पूर्व कोषाध्यक्ष-जिला युवा मोर्चा, शिवाजी फाउंडेशन में सेवा गतिविधियों में सक्रिय।

शौक : पठन तथा संगीत

17. श्री पूनमचंद धनाभाई बरंडा

सीट नंबर : 30, निर्वाचन क्षेत्र : भिलोडा (अ.ज.जा.) (जिला- अरवल्ली)

जन्म : 1 जून, 1959, वांकाटिंबा

व्यवसाय : कृषि

गतिविधियां : प्रदेश भाजपा आदिजाति मोर्चे के महासचिव के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन तथा खेल

18. श्री स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर

सीट नंबर : 7, निर्वाचन क्षेत्र : वाव (जिला- बनासकांठा)

जन्म : 1 जून, 1979, बैयक

व्यवसाय : कृषि, व्यापार

गतिविधियां : उपाध्यक्ष, गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना

शौक : पठन

19. श्रीमती रीवाबा रवीन्द्रसिंह जाडेजा

सीट नंबर 78, निर्वाचन क्षेत्र : जामनगर (उत्तर) (जामनगर जिला)

जन्म : 5 सितंबर, 1990, राजकोट

व्यवसाय : समाज सेवा

गतिविधियां : संस्थापक व मैनेजिंग ट्रस्टी, मातृशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट। कन्या केळवणी, महिला सशक्तिकरण आदि से जुड़ी गतिविधियां तथा तत्संबंधी केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को समाज तक पहुँचाने के कार्य से जुड़ी हुई हैं।

शौक : पठन, यात्रा-पर्यटन तथा समाज सेवा

कलर्स के शो 'धमाल विथ पति पत्नी और पंगा - जोडियों का रिएलिटी चेक' में एक इमोशनल हेयर डोनेशन पल के बाद सोनीली बेंद्रे और हिना खान भावुक होकर रो पड़ीं

जो शुरूआत में एक मस्तीभरी दिवाली सेलिब्रेशन थी, वह कलर्स के 'धमाल विथ पति पत्नी और पंगा' पर सीजन के सबसे भावनात्मक पलों में से एक बन गई। इस फेस्टिव स्पेशल एपिसोड में मलाइका शेरावत ने 'ट्रुथ एंड डेयर' चैलेंज का परिचय कराया, जो मजेदार खुलासों और अनोखे टास्क से भरा हुआ था। लेकिन आगे जो हुआ, उसने सभी की आंखों में आंसू ला दिए और दिवाली के असली मायने झ करुणा और इंसानियत झ की याद दिला दी। जब रूबीना दिलैक की बारी आई, तो उन्हें एक डेयर दिया गया झ किसी को राजी करना कि वे अपने बाल कटवाने दें। जो शुरूआत में असंभव सा लग रहा था, वह जल्द ही दया और उदारता के एक भावुक पल में बदल गया। कुछ हिचकिचाहट भरी बातचीतों के बाद, रूबीना को दर्शकों में से एक महिला मिली जो न केवल बाल कटवाने के लिए तैयार हुई, बल्कि उन्होंने कहा कि वे अपने बाल कैंसर पीड़ितों को दान करना चाहती हैं।

यह सुनते ही सेट का माहौल बदल गया। चारों ओर सन्नाटा छा गया जब रूबीना ने भावनाओं से भरी आंखों के साथ कांपते हाथों में कैंची ली और ईश्वर का नाम लेकर पहला बाल काटा। यह निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य सोनाली बेंद्रे और हिना खान के दिल को गहराई से छू गया — दोनों ने ही कैंसर से बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। वे भली-भांति जानती हैं कि कीमोथेरपी के बाद बाल झड़ने से आत्मविश्वास पर क्या असर पड़ता है, और किसी के लिए अपने बाल दान करना कितना बड़ा हौसले का काम है। भावनाओं से अभिभूत होकर हिना और सोनाली ने उस महिला को गले लगाया और उसकी हिम्मत व दयालुता की जमकर सराहना की।

इस भावुक पल को देखने के बाद हिना खान ने कहा, 'मेरे लिए यह देखना बहुत भावनात्मक था क्योंकि मैं खुद अपने जीवन में इस दौर से गुजर चुकी हूं। उसने जो बाल दान किए, वह बहुत ही बहादुरी भरा कदम है। असली बालों की विग बहुत महंगी होती है, जिसे हर कैंसर पेशेंट नहीं खरीद सकता। आमतौर पर लोग सिंथेटिक विग पहनते हैं क्योंकि वे सस्ती होती हैं। उसने जो बाल दान किए हैं, वे किसी को ऐसी खुशी देंगे जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मेरे खुद के बाल भी बहुत छोटे हैं, और जब मैं शूट करती हूं तो विग पहनती हूं। असली बाल हर व्यक्ति के लिए आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। जिस व्यक्ति के सिर पर ये बाल जाएंगे, वह बेहद खुश होगा। मैं उसे दिल से धन्यवाद देती हूं और दूसरों से भी अपील करती हूं कि जब भी मौका मिले, वे ऐसा कदम जरूर उठाएं।'

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है 'धमाल विथ पति पत्नी और पंगा झ जोडियों का रिएलिटी चेक', को-पॉवर्ड बाय शुगर फ्री ग्रीन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स, लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर और अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल। स्पेशल पार्टनर्सः कोलगेट और एचडीएफसी लाइफ। यह शो हर शनिवार और रविवार रात 9:00 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होता है।

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान नकदी, शराब और नशीले पदार्थों की आवाजाही पर अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बैठक की

(जीएनएस)। निर्वाचन आयोग ने आज नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में चुनाव आसूचना संबंधी बहु-विभागीय समिति (एमडीसीईआई) की बैठक आयोजित की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को चुनावों के दौरान सक्रिय और निवारक कार्रवाई सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

यह बैठक चुनावों में नकदी और अन्य प्रलोभनों के प्रभावों से निपटने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

बैठक में सीबीडीटी, सीबीआईसी, ईडी, डीआरआई, सीईआईबी, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, आईबीए, एनसीबी, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एएआई, डाक विभाग सहित प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी (एसपीएनओ) और बिहार के सीईओ भी वर्चुअल रूप में शामिल हुए।

विभिन्न एजेंसियों ने आयोग को अपनी तैयारियों, प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए उपायों और प्रस्तावित कदमों के बारे में जानकारी दी। चुनावों को दूषित करने के लिए धन और अन्य प्रलोभनों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने से संबंधित विस्तृत विषयों पर जानकारी दी गई।

आयोग ने निर्देश दिया कि प्रभावी कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच आर्थिक अपराधों की खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान और सहयोग होना चाहिए।

आयोग ने राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर प्रवर्तन एजेंसियों में समन्वय पर बल दिया।

आयोग ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे निर्वाचन क्षेत्रों का मानचित्रण करें ताकि अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से तस्करी के सामान, ड्रग्स, शराब और नकदी (नकली मुद्रा सहित) की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके।

आयोग ने बिहार में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए 'शून्य सहनशीलता' की नीति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गुजरात : राज्य मंत्रिपरिषद के नए सदस्य - आवंटन

क्रम नाम पद विषय आवंटन

1. श्री भूपेंद्र रजनीकांत पटेल मुख्यमंत्री सामान्य प्रशासन, प्रशासनिक सुधार, प्रशिक्षण एवं योजना, प्रवासी गुजराती प्रभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, सड़क एवं भवन तथा राजधानी योजना, नर्मदा एवं कल्पसर, खान एवं खनिज, बंदरगाह, सूचना एवं प्रसारण, सभी नीतिगत मामले तथा अन्य मंत्रियों को न आवंटित किए गए विषय

2. श्री हर्ष रमेशकुमार संघवी उप मुख्यमंत्री गृह एवं पुलिस आवास, जेल, नागरिक संरक्षण, गृह रक्षक बल तथा ग्राम रक्षक बल, सीमा सुरक्षा, नशाबंदी एवं आबकारी, परिवहन, विधि एवं न्याय प्रशासन, खेल-कूद, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, स्वैच्छिक संस्थाओं का समन्वय, उद्योग, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग, नमक उद्योग, मुद्रण कार्य एवं लेखन सामग्री, पर्यटन एवं यात्राधाम विकास, नागरिक उड्डयन

केबिनेट मंत्री

क्रम नाम पद विषय आवंटन

3. श्री कनुभाई मोहनलाल देसाई मंत्री वित्त, शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण

4. श्री जीतूभाई सवजीभाई वाघाणी मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन, गौसंवर्धन, मत्स्योद्योग, प्रोटोकॉल

5. श्री ऋषिकेशभाई गणेशभाई पटेल मंत्री ऊर्जा एवं पेट्रोरसायन, पंचायत एवं ग्रामीण गृह निर्माण, वैधानिक एवं संसदीय मामले

6. श्री कुँवरजीभाई बावळिया मंत्री श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार, ग्रामीण विकास

7. श्री नरेशभाई मगनभाई पटेल मंत्री आदिजाति विकास, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग

8. श्री अर्जुनभाई देवाभाई मोढवाडिया मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

9. डॉ. प्रद्युमनभाई गुणाभाई वाजा मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा

10. श्री रमणभाई भीखाभाई सोलंकी मंत्री खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सुरक्षा से जुड़े मामले

राज्य मंत्री

क्रम नाम पद विषय आवंटन

11. श्री ईश्वरसिंह ठाकोरभाई पटेल राज्य मंत्री जल संसाधन, जलापूर्ति (स्वतंत्र प्रभार)

12. प्रफुल्लभाई छगनभाई पानसेरिया राज्य मंत्री स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार), प्रोटोकॉल

13. डॉ. श्रीमती मनीषा राजीवभाई वकील राज्य मंत्री महिला एवं बाल कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

14. श्री परषोत्तम ओधवजीभाई सोलंकी राज्य मंत्री मत्स्योद्योग

15. श्री कांतिलाल शिवलाल अमृतिया राज्य मंत्री श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार

16. श्री रमेशभाई भूराभाई कटारा राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याम, सहकारिता, पशुपालन, गौसंवर्धन

17. श्रीमती दर्शनाबेन मुकेशभाई वाघेला राज्य मंत्री शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण

18. श्री कौशिकभाई कांतिभाई वेकरिया राज्य मंत्री विधि एवं न्याय प्रशासन, ऊर्जा एवं पेट्रोरसायन, वैधानिक एवं संसदीय मामले

19. श्री प्रवीणभाई गोरधनभाई माळी राज्य मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, परिवहन

20. डॉ. जयरामभाई चेमाभाई गामित राज्य मंत्री खेल-कूद, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, स्वैच्छिक संस्थाओं का समन्वय, उद्योग, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग, नमक उद्योग, मुद्रण कार्य एवं लेखन सामग्री, पर्यटन एवं यात्राधाम विकास, नागरिक उड्डयन

21. श्री त्रिकमभाई बीजलभाई छांगा राज्य मंत्री उच्च एवं तकनीकी शिक्षा

22. श्री कमलेशभाई रमेशभाई पटेल राज्य मंत्री वित्त, पुलिस आवास, जेल, नागरिक संरक्षण, गृह रक्षक बल एवं ग्राम रक्षक बल, सीमा सुरक्षा, नशाबंदी एवं आबकारी

23. श्री संजयसिंह विजयसिंह महिडा राज्य मंत्री राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पंचायत एवं ग्रामीण गृह निर्माण, ग्रामीण विकास

24. श्री पूनमचंद छनाभाई बरंडा राज्य मंत्री आदिजाति विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले

25. श्री स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर राज्य मंत्री खादी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग

26. श्रीमती रीवाबा रवीन्द्रसिंह जाडेजा राज्य मंत्री प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा

जिलाधिकारी ने "दिव्य दीपोत्सव मेला" का फीता काटकर किया शुभारंभ

दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित उत्पादों का अवलोकन करते हुए उत्पादों के बारे में ली जानकारी, उत्पादों को सराहा

"दिव्य दीपोत्सव मेला" दिव्यांगजनों के हौसलों को पंख लगायेगा-जिलाधिकारी

प्रयागराज 17 अक्टूबर, 2025।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को विकास भवन प्रांगण में स्वदेशी उत्पादों एवं दिव्यांगजनों के हुनर तथा कौशल के प्रोत्साहन हेतु दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित सामग्रियों की मण्डल स्तरीय "दिव्य दीपोत्सव मेला" का शुभारंभ फीता काटकर किया गया। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह के साथ दिव्यांगजनों के द्वारा निर्मित उत्पादों हेतु लगाये गये स्टाल का भ्रमण करते हुए अवलोकन किया और उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों के बारे में जानकारी लेते हुए उनकी सराहना की।

दिव्यांगजनों के कौशल एवं नवाचार की प्रशंसा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह मेला दिव्यांगजनों के हौसलों को पंख लगायेगा। मेले में विभागीय संस्थाओं तथा स्वैच्छिक संस्थाओं यथा - बचपन डे केयर सेन्टर, राजकीय मानसिक ममता विद्यालय, बेसिक शिक्षा विभाग, भाविनी वेलफेयर सोसाइटी, मूर्ति देवी महिला गृह उद्योग, द स्कूल होम फार ब्लाइण्ड असाइलम, माता कलावती कालेज आफ स्पेशल एजूकेशन, रेड ईगल आशा स्कूल, चेस्टा फाउण्डेशन, उ0प्र0 मूक बधिर विद्यालय, दीपमाला जन कल्याण सेवा संस्थान, कौशाम्बी, एस0एन0 सेवा संस्थान, जनचेतना संस्थान, मां गंगा देवी दिव्यांग सेवा संस्थान, भावना दिव्यांग विद्यालय फतेहपुर, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, रूद्रवाणी दिव्यांग विद्यालय एवं सेवा केन्द्र, श्री राम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बनाये गये रंग बिरंगे दीपक, मिटटी की मूर्तियां, जूट का बैग, मोतियों की माला, मोमबत्ती, धूपबत्ती, अगरबत्ती, आदि की प्रदर्शनी लगायी गयी।

इस अवसर पर श्री गोपाल प्रसाद कुशवाहा, जिला विकास अधिकारी, श्री अभय कुमार श्रीवास्तव, उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, प्रयागराज मण्डल, श्री सन्तोष कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, श्री अशोक कुमार गुप्ता, उपायुक्त, एन0आर0एल0एम0, श्री अशोक कुमार गौतम, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जूनियर स्टार्स डांस फेस्ट में बच्चों ने मचाया धमाल

लखनऊ।डोरेमी क्लब ने अपने बहुप्रतीक्षित जूनियर स्टार्स डांस फेस्ट का आयोजन इंटरनेशनल बौद्ध शोध संस्थान,गोमती नगर में एक शानदार प्रस्तुति के साथ किया। यह भव्य आयोजन डांस कैंप सीजन 3 का फिनाले था, जिसमें 4 से 14 वर्ष के प्रतिभाशाली बच्चों की हफ्तों की मेहनत, ताल, रचनात्मकता के साथ भाग लिया। 29 सितंबर से 16 अक्टूबर तक आयोजित इस कैंप ने प्रतिभागियों को विभिन्न नृत्य शैलियों—समकालीन, हिप-हॉप से लेकर भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने कोरियोग्राफर जय ठाकुर और मयंक वर्मा के मार्गदर्शन में मूवमेंट, अभिव्यक्ति और मंच प्रस्तुति का अनुभव प्राप्त किया। आज के कार्यक्रम में बच्चों की प्रदर्शन प्रतिभा, ऊर्जा और टीमवर्क देखने को मिला। प्रत्येक प्रस्तुति ने मंच को आत्मविश्वास और उत्साह से रोशन कर दिया। ग्रैंड फिनाले के कलाकारों में काश्वी जैन, अमायरा सिंह, सर्गुन सेठी, अनैशा यादव, विदिशा अग्रवाल, कृषा गुलाटी, सिद्धि चरन, सान्वी गुप्ता, अव्यन अग्रवाल, अनाया गुलाटी, नव्या जैन, अहान अग्रवाल, वियान सूरी, आव्या सूरी, कियारा कपूर, श्लोक तुलसी, अनैशा अग्रवाल, अनईशा अग्रवाल, थिया त्रिपाठी, अनैशा सिंह, समायरा गर्ग, किंजा मलिक, जयवर्धन सिंगला, काश्वी केसरी और देवयानी मिश्रा ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ. अनुपम विद्यार्थी, सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल के उप प्राचार्य, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों की लगन और जुनून की सराहना की तथा डोरेमी क्लब को मंच कला के माध्यम से रचनात्मकता और अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए बधाई दी। डोरेमी क्लब की संस्थापक साहिबा तुलसी ने कोरियोग्राफर्स, अभिभावकों और सभी नन्हें कलाकारों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने मिलकर जूनियर स्टार्स डांस फेस्ट को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और टीम भावना को प्रोत्साहित करते हैं, और भविष्य में भी डोरेमी क्लब ऐसे अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। प्रदर्शन सूची 1) वंदना काश्वी जैन अमायरा सिंह सर्गुन सेठी अनैशा यादव विदिशा अग्रवाल कृषा गुलाटी सिद्धि चरन सान्वी गुप्ता अव्यन अग्रवाल अनाया गुलाटी नव्या जैन 2) सैफायर दर्शिक जैन कियारा कपूर श्लोक तुलसी अनैशा अग्रवाल अनईशा अग्रवाल थिया त्रिपाठी अनैशा सिंह समायरा गर्ग किंजा मलिक जयवर्धन सिंगल काश्वी केसरी देवयानी मिश्रा 3) जुबी डूबी और मटरगश्ती दर्शिक जैन कियारा कपूर श्लोक तुलसी अनैशा अग्रवाल अनईशा अग्रवाल थिया त्रिपाठी अनैशा सिंह समायरा गर्ग किंजा मलिक जयवर्धन सिंगल काश्वी केसरी देवयानी मिश्रा 4) अजुल काश्वी जैन अमायरा सिंह सर्गुन सेठी अनैशा यादव विदिशा अग्रवाल कृषा गुलाटी सिद्धि चरन सान्वी गुप्ता अव्यन अग्रवाल अनाया गुलाटी नव्या जैन अहान अग्रवाल वियान सूरी आव्या सूरी 5) टेतेमा और बेसोस काश्वी जैन अमायरा सिंह सर्गुन सेठी अनैशा यादव विदिशा अग्रवाल कृषा गुलाटी सिद्धि चरन सान्वी गुप्ता अव्यन अग्रवाल अनाया गुलाटी नव्या जैन अहान अग्रवाल वियान सूरी आव्या सूरी 6) बिजुरिया और शैकी शैकी कियारा कपूर श्लोक तुलसी अनैशा अग्रवाल अनईशा अग्रवाल थिया त्रिपाठी अनैशा सिंह समायरा गर्ग किंजा मलिक जयवर्धन सिंगल काश्वी केसरी देवयानी मिश्रा 7) अभी मुझमें कहीं (थीम सॉन्ग) काश्वी जैन अमायरा सिंह सर्गुन सेठी अनैशा यादव विदिशा अग्रवाल कृषा गुलाटी सिद्धि चरन सान्वी गुप्ता अव्यन अग्रवाल अनाया गुलाटी नव्या जैन अहान अग्रवाल वियान सूरी आव्या सूरी डोरेमी क्लब एक ऐसा मंच है जो रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए समृद्ध कार्यशालाओं और मास्टरक्लास का आयोजन करता है। यह उन उत्साही व्यक्तियों को एक साथ लाता है जो सपने देखते हैं, मेहनत करते हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं। क्लब का उद्देश्य बच्चों और वयस्कों दोनों में कौशल विकास को बढ़ावा देना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता को पहचान सकें। संस्थापक साहिबा तुलसी का विजन है कि कला और प्रदर्शन के माध्यम से हर व्यक्ति को आत्म-अभिव्यक्ति और विकास के अवसर मिलें।

बस-ट्रैक्टर ट्राली टक्कर में घायल की तुरंत मदद, ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया गौ सेवा टीम की सराहनीय पहल

पुरनपुर,पीलीभीतः सुबह करीब 5:20 बजे,पीलीभीत के सोनू ढाबा के पास चौधरी बस सर्विस की बस ने एक ट्रैक्टर ट्राली को जोरदार टक्कर मार दी। बस चालक सवारी छोड़ कर मौके से फरार हो गया। इसी दौरान, ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया की गौ सेवा टीम के सदस्य सिद्धांत जादौन और अंश जादौन घटनास्थल पर पहुंचे।

टक्कर में एक व्यक्ति का हाथ ट्राली के नीचे आ गया था, जिसे गौ सेवा टीम ने तत्परता से ट्राली के नीचे से बाहर निकाला और पास रख दिया। पुलिस भी बहुत जल्दी पहुंची और लगभग 25 मिनट बाद एम्बुलेंस आई, जिसने घायल को पूरनपुर उ्लउ अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल के बिहारीपुर गांव का रहने वाला बताया गया है।

यह घटना सेवा भाव और मानवता की मिसाल है, जिसने समय रहते बड़ी त्रासदी को टाल दिया। ऐसी पहल समाज में एकजुटता और मदद की भावना को प्रेरित करती है।

श्यामपुर गांव में पीपल का प्राचीन पेड़ काटे जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

(जीएनएस)।

पीलीभीतः सेहरामऊ थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव में अज्ञात शरारती तत्वों ने कई वर्षों पुराना और आस्था का प्रतीक माना जाने वाला पीपल का पेड़ जड़ से काट दिया। यह घटना बीती रात हुई, जिसके बाद आज सुबह ग्रामीणों को पेड़ कटे हुए मिला।

ग्रामीण वीर सिंह, अखिलेश कुमार समेत कई लोगों ने बताया कि यह कार्य नियोजित लग रहा है, जिससे हिंदू समुदाय में खासा रोष फैला है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गढ़वा खेड़ा चौकी इंचार्ज संतोष कुमार ने कहा कि इस मामले की उन्हें अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है लेकिन शिकायत मिलने पर जांच अवश्य करेंगे।

ग्रामीण अपेक्षा कर रहे हैं कि प्रशासन जल्द मुद्दे को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करेगा ताकि समाज में शांति बनी रहे।

आयुष डिप्लोमेसी आर्कटिक पहुंचीः भारत रेक्जाविक सभा में एकीकृत स्वास्थ्य सहयोग का समर्थक

आयुष अनुसंधान और कल्याण सहयोग आर्कटिक सर्कल असेंबली-2025 में गूंजेगा

(जीएनएस)।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल में, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के महानिदेशक प्रोफेसर (वैद्य) रबीनारायण आचार्य और आयुष मंत्रालय के संयुक्त सलाहकार (होम्योपैथी) डॉ. श्रीनिवास राव चिंता ने आइसलैंड के रेक्जाविक में आयोजित आर्कटिक सर्कल असेंबली-2025 में भाग लिया।

"आर्कटिक में ग्लोबल साउथ की भूमिका और महत्व" शीर्षक वाले पूर्ण सत्र के दौरान प्रो. आचार्य ने अपनी

व्यापक आर्कटिक नीति के अंतर्गत आर्कटिक क्षेत्र में भारत की सक्रिय भागीदारी पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की बढ़ती प्रासंगिकता और आर्कटिक जैसे चरम इकोसिस्टम में भी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में आयुष हस्तक्षेपों की क्षमता पर प्रकाश डाला।

इस सत्र का आयोजन भारत सरकार द्वारा किया गया था और इसमें भारत सरकार के पोलर कॉर्डिनेटर रियर एडमिरल टीवीएन प्रसन्ना, राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के वैज्ञानिक-एफ मनीष तिवारी तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अमीरात ध्रुवीय कार्यक्रम के संचालन समिति सदस्य वसीम सईद सहित कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया।

इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश कुमार त्रिपाठी ने चोरों पर कसा शिकंजा

यात्रियों से सामान चुराने वाले पिता-पुत्र समेत 3 चोर पकड़े,पुलिस ने भेजा जेल, 5 हजार कैश और जेवर बरामद

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर यात्रियों और खरीददारों को निशाना बनाने वाले झपटमार गैंग का वजीरगंज पुलिस ने शुक्रवार को पदार्फाश किया है। सेंटीनियल कॉलेज के पास से लखनऊ की वजीरगंज पुलिस ने घेराबंदी कर 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया, जिनमें एक पिता-पुत्र की जोड़ी भी शामिल है। पुलिस ने इनके कब्जे से 5000 रुपये नकद, सोने की चेन, अंगूठी, मांग टीका और चांदी की पायल-बिछिया बरामद की है। जांच में खुलासा हुआ कि यह गैंग अमरोहा और मुरादाबाद जिलों से लखनऊ आकर बाजारों, रेलवे स्टेशन और भीड़भाड़ वाले इलाकों में रैकी कर वारदातें करता था। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़ी अन्य घटनाओं की तहकीकात में जुटी है।रैकी कर झपट्टा मारने का था तरीका, कई वारदातों से जुड़ाव के संकेत

थाना वजीरगंज में 13 अक्टूबर को शुभम मौर्य, निवासी अमौसी एयरपोर्ट ने शिकायत दर्ज कराई थी

कि उनकी पत्नी का कीमती सामान बाजार में चोरी हो गया। पुलिस ने ऋक्ष्क्ष दर्ज कर जांच शुरू की और संदिग्धों की तलाश में टीम लगाई। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर सेंटीनियल कॉलेज के पास तीन संदिग्धों को दबोचा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तारा चंद, मोनू, और जितेंद्र के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, ये लोग पहले बाजार या स्टेशन की भीड़ में घूमकर रैकी करते थे, फिर मौका मिलते ही झपट्टा मारकर गहने या नकदी लेकर भाग जाते थे। गिरफ्तारी के बाद जब तलाशी ली गई तो तारा चंद से 1000 रुपये, एक सोने की चेन और अंगूठी बरामद हुई है। वहीं, मोनू से 1500 रुपये व दो जोड़ी पायल और जितेंद्र से 2500 रुपये, मांग टीका व चार जोड़ी बिछिया बरामद की गई।

पिता-पुत्र की जोड़ी थी सक्रिय,पुलिस ने बढ़ाई निगरानी पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि तारा चंद और उसका बेटा मोनू इस गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं, जो मिलकर वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी के बाद यह गैंग तुरंत बस या ट्रेन से अपने जिलों में लौट जाता था, जिससे पकड़ में नहीं आते थे। वजीरगंज पुलिस के मुताबिक, तीनों से पूछताछ जारी है और इनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन आरोपियों से शहर में हुई कई पुरानी चोरी की वारदातों का खुलासा हो सकता है। इस कार्रवाई के बाद लखनऊ पुलिस ने भीड़भाड़ वाले बाजारों और पब्लिक प्लेस पर अतिरिक्त गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं ताकि ऐसे गैंग दोबारा सक्रिय न हो सकें।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने नई दिल्ली में अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आयुर्वेदिक शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा में एआईआईए की नौ वर्षों की उत्कृष्टता की सराहना की

एआईआईए ने 30 लाख से अधिक मरीजों का इलाज करने और सात नए स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र स्थापित करने की उपलब्धि हासिल कीः निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति

(जीएनएस)।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने आज नई दिल्ली स्थित अपने परिसर में अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया।

अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, संसद सदस्य ने आयुर्वेदिक शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा वितरण में समर्पित सेवा के नौ सफल वर्ष पूरे करने पर एआईआईए को बधाई दी। उन्होंने संस्थान के साथ अपने दीर्घकालिक जुड़ाव को याद किया और स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज और श्री भैरों सिंह शेखावत को याद करते हुए कहा कि वे एआईआईए की आधारशिला रखने के दौरान उनके साथ मौजूद थे।

श्री बिधूड़ी ने रोगी देखभाल के प्रति संस्थान की दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा, 'दिल्ली चारों ओर से बीमारियों से घिरी हुई है, और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान लगातार अनगिनत रोगियों को राहत और आशा प्रदान करता है। हर दिन, हजारों लोग परेशान चेहरों के साथ एआईआईए में आते हैं और मुस्कुराते हुए और नए स्वास्थ्य के साथ लौटते हैं।'

गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए, एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने पिछले नौ वर्षों में संस्थान की उल्लेखनीय यात्रा और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एआईआईए को आयुर्वेद के एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित करने में योगदान देने के लिए सभी पूर्व निदेशकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने सांसद से अस्पताल के पास एक डिवाइडर बनाने पर विचार करने का अनुरोध किया, ताकि मरीजों की आवाजाही सुगम हो सके तथा पहुंच में सुधार और सार्वजनिक मान्यता के लिए ओनिडा बस स्टैंड का नाम बदलकर एआईआईए बस स्टैंड रखने का प्रस्ताव रखा।

पिछले नौ वर्षों में, एआईआईए ने आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। संस्थान ने अपने 44 विशेष क्लीनिकों के माध्यम से 30 लाख से अधिक रोगियों को उपचार प्रदान किया है और पूरे भारत में सात नए स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र स्थापित किए हैं। इसने सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने और आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 73 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

इससे पहले दिन में, इस शुभ अवसर को मनाने के लिए संकाय और कर्मचारियों द्वारा धन्वंतरि वाटिका में हवन समारोह आयोजित किया गया। समारोह का समापन एआईआईए के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें आयुर्वेद की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कालातीत दर्शन को प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर एआईआईए, नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और छात्र भी उपस्थित थे।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान आयुर्वेदिक शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है, तथा पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने के दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है।

विश्व खाद्य दिवस 2025 पर एफएओ ने भारत के साथ भागीदारी के 80 साल पूरे होने का उत्सव मनाया

कृषि सचिव ने खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न आत्मनिर्भरता तक भारत की यात्रा पर प्रकाश डाला

(जीएनएस)।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव डॉ. देवेश चतुवेर्दी ने विश्व खाद्य दिवस 2025, जो संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की 80वीं वर्षगांठ भी है, के अवसर पर अपना भाषण दिया।

अपने संबोधन में सचिव ने खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा नवाचार और बेहतर कार्यप्रणाली के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में एफएओ की तकनीकी विशेषज्ञता और मंत्रालय के साथ स्थायी साझेदारी की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में पोषण-सुग्राही (संवेदनशील) कृषि पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जिससे सभी के लिए स्वस्थ, विविध, सुरक्षित और किफायती आहार सुनिश्चित हो सके।

डॉ. चतुवेर्दी ने कहा कि स्वतंत्रता के समय खाद्यान्न की कमी से जूझने वाला भारत अब खाद्यान्न आधिक्य वाले राष्ट्र में तब्दील हो गया है, जो 1.4 अरब लोगों को भोजन उपलब्ध कराता है और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दूरदर्शी नीतियों, वैज्ञानिक नवाचार और एफएओ के साथ नजदीकी साझेदारी में मंत्रालय के नेतृत्व में मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग से प्रेरित है।

1945 से एफएओ के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि जब उत्पादन सिस्टम, वितरण व्यवस्था और नीति नवाचार सामंजस्य के साथ मिलकर काम करते हैं, तो किस प्रकार भूख और कुपोषण को बड़े पैमाने पर कम किया जा सकता है।

सचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दुनिया की कृषि भूमि और ताजे पानी के संसाधनों का चार प्रतिशत से भी कम हिस्से पर कब्जा होने के बावजूद भारत ने राष्ट्रीय खाद्य आत्मनिर्भरता हासिल की है और सार्वजनिक भंडारण और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से मूल्य स्थिरता बनाए रखी है। ये व्यवस्थाएं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 800 मिलियन (80 करोड़) से अधिक लोगों के लिए किफायती भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करती हैं, जो खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत के अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को दशार्ती है। उन्होंने आगे रेखांकित किया कि भारत की कृषि प्रगति इसकी 146 मिलियन छोटी और सीमांत जोतों में निहित है, जो ग्रामीण आजीविका की रीढ़ हैं। मौसम की मार झेलने वाले बीज, रियायती ऋण, फसल बीमा और जलवायु-स्मार्ट व्यवस्थाओं में लक्षित पहल ने उत्पादकता, आत्मनिर्भरता और आय में वृद्धि की है।

स्थिरता और जलवायु अनुकूलन के लिए भारत की प्रतिबद्धता जताते हुए सचिव ने देश भर में सूक्ष्म सिंचाई, एकीकृत और प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि एवं एग्रीस्टैक जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर की गई पहल पर प्रकाश डाला, जो किसानों को प्रौद्योगिकी और वास्तविक समय के डेटा के साथ सशक्त बनाते हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एफएओ की कॉफी टेबल बुक, 'सोइंग होप, हार्वेस्टिंग सक्सेस' का विमोचन था, जो एफएओ की आठ दशक लंबी यात्रा और भारत के साथ कृषि व संबद्ध क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धियों का वर्णन करती है।

इस कार्यक्रम में भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर श्री शोम्बी शार्प और भारत में एफएओ के प्रतिनिधि श्री ताकायुकी हागिवारा भी उपस्थित थे। श्री शार्प ने कहा कि भारत में एफएओ की कहानी, वैश्विक कृषि लीडर के रूप में भारत के उदय की कहानी भी है, जबकि श्री हागिवारा ने 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए एफएओ की प्रतिबद्धता जताई।

इस वर्ष के विश्व खाद्य दिवस की थीम 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ मिलाना' के अनुरूप इस समारोह में भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र और रोम स्थित एजेंसियों के प्रतिनिधि, विकास में भागीदार और देश भर के किसान एक साथ आए।

अंत में डॉ. चतुवेर्दी ने कहा कि वैश्विक खाद्य चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय वास्तविकताओं में निहित वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए गहन अंतरराष्ट्रीय सहयोग, खुले ज्ञान-साझाकरण और सामूहिक प्रयास करने का आ'ान किया। उन्होंने विश्व खाद्य दिवस पर हार्दिक बधाई दी और सभी को खुशहाल एवं समृद्ध दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं।